राजनीतिक तिलिस्मों पर फतह का महायज्ञ

जासूस बादशाह

www.picmp.com

आरएनआई निबंधन संख्या-एमपीएचआईएन /1999 /4107

डाक पंजीयन-मप्र/भोपाल/371/21-23

वर्ष - 23 अंक -24 (पच्चीस सालों से प्रकाशित) भोपाल, गुरूवार 28 जुलाई 2022 पृष्ठ -8 मूल्य - पांच रूपये

भारत में गरीब भी सपने देख सकता है मेरा राष्ट्रपति बनना इसका सबूतः मुर्मू

देश की 15वीं राष्ट्रपति बनीं द्रौपदीः सीजेआई ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली। द्रौपदी मुर्मू को देश की 15वीं राष्ट्रपति के तौर पर चीफ जस्टिस एनवी रमना ने शपथ दिलाई। वह देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति हैं। सुबह सवा 10 बजे द्रौपदी मुर्मू ने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद की शपथ ली। मुर्मू को 21 तोपों की सलामी दी गई। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मंत्रिपरिषद के सदस्य, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, विभिन्न राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, संसद सदस्य आदि समारोह में शामिल हुए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। उधर, पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा कि शपथ लेने के बाद राष्ट्रपति मुर्मू ने देश की उपलब्धियों पर जोर दिया और आगे के रास्ते को लेकर एक भविष्यवादी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने अपना भाषण जोहार (आदिवासी इलाकों में जोहार का मतलब नमस्कार) कहकर शुरू किया।

पढ़िए शपथ ग्रहण के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का भाषणः मैं जिस जगह से आती हूं, वहां प्रारंभिक शिक्षा भी सपना होता है। गरीब, पिछड़े मुझे अपना प्रतिबिंब दिखाते हैं। मैं भारत के युवाओं और महिलाओं को विश्वास दिलाती हूं कि इस पद पर काम करते हुए उनका हित मेरे लिए सर्वोपरि रहेगा। संसद में मेरी मौजूदगी भारतीयों की आशाओं और अधिकारों का प्रतीक है। मैं सभी के प्रति आभार व्यक्त करती हूं। आपका भरोसा और समर्थन मुझे नई जिम्मेदारी संभालने का बल दे रहा है। मैं पहली ऐसी राष्ट्रपति हूं जो आजाद भारत में जन्मी। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने भारतीयों से जो उम्मीदें लगाई थीं, उन्हें पूरा करने का मैं पूरा प्रयास करूंगी। राष्ट्रपति के पद तक पहुंचना मेरी निजी उपलब्धि नहीं है, यह देश के सभी गरीबों की उपलब्धि है। मेरा नॉमिनेशन इस बात का सबूत है कि भारत में गरीब न केवल सपने देख सकता है, बल्कि उन सपनों को पूरा भी कर सकता है।' इससे पहले मुर्मू राष्ट्रपति भवन पहुंचीं, यहां उन्होंने रामनाथ कोविंद और उनकी पत्नी से मुलाकात की। दोनों ने मुर्मू को बधाई दी। राष्ट्रपति भवन के लिए निकलने से पहले राजघाट पहुंचकर उन्होंने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी थी। मुर्मू के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में ओडिशा से 64 खास मेहमान आए थे। शपथ के बाद खास मेहमानों के लिए लंच का आयोजन राष्ट्रपति भवन में किया गया। उसके बाद सभी को पूरा भवन घुमाया गया।

बंगाल में समुदाय विशेष के लोगों ने महिला टीचर को दफ्तर में घुसकर निर्वस्त्र किया, 35 पर एफआईआर

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर में बच्ची को डांटने पर एक महिला टीचर को विशेष समुदाय के लोगों ने निर्वस्त्र कर पीटा। गुस्साए लोग स्कूल में घुस गए और पीटना शुरू कर दिया। काफी देर तक हंगामा किया। पुलिस ने 35 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, जबकि 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि छात्रा अल्पसंख्यक समुदाय से संबंध रखती है। घटना हिली थाना क्षेत्र के त्रिमोहिनी प्रताप चंद्र हाईस्कूल की बताई जा रही है, यहां छात्रा कक्षा 9 में पढ़ती है। जानकारी मिली है कि तीन दिन पहले स्कूल में टीचर ने बच्ची को किसी बात पर डांट दिया था। अगले दिन छात्रा के घर वाले अपने कुछ साथियों के साथ स्कूल में घुस गए। टीचर से अभद्रता की। विरोध करने पर महिला को निर्वस्त्र कर दिया और जमकर पीटा। शिकायत पर एक्शन लिया गया है।

टीचर की पिटाई के विरोध में हुआ प्रदर्शनः मामले की सूचना मिलते ही पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा और मामले को शांत करवाया। महिला टीचर के साथ हुई बदसलूकी की वजह से स्थानीय लोगों में गुस्सा देखने को मिला। लोगों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मन करता है राजनीति छोड़ दूंः गांधी के समय पॉलिटिक्स विकास के लिए होती थी, अब इसका मकसद सिर्फ सत्ताः नितिन गडकरी

नई दिल्ली। मौजूदा राजनीति व्यवस्था को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की मन की टीस जुबान पर आई है। गडकरी ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान साफ कहा कि कभी-कभी मन करता है कि राजनीति ही छोड़ दूं। समाज में और भी काम हैं, जो बिना राजनीति के किए जा सकते हैं। गडकरी ने कहा कि महात्मा गांधी के समय की राजनीति और आज की राजनीति में बहुत बदलाव हुआ है। बापू के समय में राजनीति देश, समाज, विकास के लिए होती थी, लेकिन अब राजनीति सिर्फ सत्ता के लिए होती है। उन्होंने कहा कि हमें समझना होगा कि राजनीति का क्या मतलब है। क्या यह समाज, देश के कल्याण के लिए है या सरकार में रहने के लिए है?

राजनीति का मतलब समझने की जरूरतः कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने कहा कि राजनीति गांधी के युग से ही सामाजिक आंदोलन का हिस्सा रही है। उस समय राजनीति का इस्तेमाल देश के विकास के लिए होता था। आज की राजनीति के स्तर को देखें तो चिंता होती है।

आज की राजनीति पूरी तरह से सत्ता केंद्रित है। मेरा मानना है कि राजनीति सामाजिक-आर्थिक सुधार का एक सच्चा साधन है। इसलिए नेताओं को समाज में शिक्षा, कला आदि के विकास के लिए काम करना चाहिए।

मुझे गुलदस्ते और पोस्टर से नफरतः गडकरी ने दिवंगत समाजवादी राजनेता जॉर्ज फर्नांडीस की सादगीपूर्ण जीवन शैली के लिए उनकी प्रशंसा की। गडकरी ने कहा कि मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा क्योंकि उन्होंने कभी भी सत्ता की भूख की परवाह नहीं की।

उन्होंने ऐसा प्रेरणादायक जीवन जिया...जब लोग मेरे लिए बड़े-बड़े गुलदस्ते लाते हैं या मेरे पोस्टर लगाते हैं तो मुझे इससे नफरत है।

गिरीश गांधी के सम्मान समारोह में शामिल हुएः गडकरी नागपुर में सामाजिक कार्यकर्ता गिरीश गांधी को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। पूर्व एमएलसी गिरीश गांधी पहले एनसीपी के साथ थे, लेकिन 2014 में उन्होंने पार्टी छोड़ दी। गडकरी ने कहा कि जब गिरीश भाऊ राजनीति में थे, तो मैं उन्हें हतोत्साहित करता था क्योंकि मैं भी कभी-कभी राजनीति छोड़ने के बारे में सोचता हूं। राजनीति के अलावा, जीवन में कई चीजें हैं जो करने योग्य हैं।

मुख्यमंत्री इसलिए दुखी कि पता नहीं कब हटा दिया जाएः नितिन गडकरी अपने बेबाक बयानों के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उनका एक और बयान बड़ा चर्चित हुआ था। गडकरी ने कहा था कि आजकल हर किसी की समस्या है, हर कोई दुखी है। जो मुख्यमंत्री बनते हैं, वो इसलिए परेशान रहते हैं कि पता नहीं कब हटा दिया जाए।

पार्थ चटर्जी से ममता ने किया किनारा

दीदी बोलीं- गलती की है तो साथ नहीं देंगे, उम्रकैद भी हो जाए तो मुझे फर्क नहीं पड़ता

कोलकाता/भुवनेश्वर। शिक्षक भर्ती घोटाले में गिरफ्तार बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी को लेकर पहली बार बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी नेता ममता बनर्जी ने बयान दिया है। ममता ने सोमवार को कहा कि अगर किसी ने गलती की है तो उसे कितनी भी बड़ी सजा मिले, मुझे फर्क नहीं पड़ता। हम ऐसे लोगों का समर्थन नहीं करेंगे। लेकिन एक निश्चित समय सीमा के अंदर सच्चाई के आधार पर फैसला दिया जाना चाहिए। बता दें कि शनिवार को ईडी ने पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया था तो उन्होंने ममता बनर्जी को तीन बार फोन किया था।

हालांकि दीदी ने उनका फोन नहीं उठाया। इसके बाद से अटकलें लगाई जा रही हैं कि ममता बनर्जी ने इस पूरे मामले में अपने मंत्री का नाम सामने आने के बाद उनसे किनारा कर लिया है।

भुवनेश्वर एम्स ने कहा- पार्थ की हालत स्थिरः पार्थ चटर्जी सोमवार सुबह कोलकाता से भुवनेश्वर एम्स पहुंचे। जांच के बाद एम्स डायरेक्टर आशुतोष बिस्वास ने कहा कि लंबी बीमारी के चलते उन्हें समस्याएं हो रही हैं। हमने जांच के बाद अपनी रिपोर्ट कलकत्ता हाईकोर्ट में सबमिट कर दी है। डॉ. बिस्वास ने कहा कि उन्हें सीने में ज्यादा दर्द नहीं है। हालत स्थिर है और उन्हें आज ही डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। प्रवर्तन निदेशालय ने पार्थ को शनिवार को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद पार्थ ने कहा था कि वे बीमार हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती किया जाए। हाईकोर्ट के आदेश पर पार्थ को कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती किया गया था।

मिथेन गैस का रिसावः 10 फीट उठी आग की लपटें

रांची। झारखंड के रामगढ़ में डीप बोरिंग के दौरान आग की लपटें उठने लगी। ये देखकर लोग हैरान रह गए। वहीं इलाके में पक्षियों की मौत भी हो रही है। इन सबके पीछे मिथेन गैस का रिसाव है। लोगों में गैस रिसाव और पक्षियों की मौत को लेकर दहशत है। जिले के मांडू प्रखंड के कोठीटांड़ और के लइयो करमाली टोला के पास गैस का रिसाव हुआ। दरअसल शनिवार को लगातार हुई बारिश और उसके बाद हुए वज्रपात के कारण जमीन से निकल रही मिथेन गैस ने आग पकड़ ली। इस घटना से पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। इसकी सूचना ग्रामीणों ने स्थानीय सीसीएल की झारखंड उत्खनन परियोजना से जुड़े पदाधिकारियों को दी। सीसीएल प्रबंधन के प्रोजेक्ट ऑफिसर पीओ बोके साह ने घटना स्थल पर जाकर निरीक्षण किया। इस संबंध में लइयो उतरी पंचायत के मुखिया सुरेश महतो उर्फ मदन ने बताया कि लइयो में आसपास दर्जनों जगह बोर होल से अक्सर मिथेन गैस का रिसाव होते रहता है।

राजधानी में टाइगर का मूवमेंट! : वाल्मी की पहाड़ी पर दिखा बाघ, बारिश की वजह से नहीं मिले फुटप्रिंट

नगर संवाददाता

भोपाल। राजधानी भोपाल में एक बार फिर टाइगर का मूवमेंट है। चरवाहों ने कलियासोत डैम के नजदीक वाल्मी की पहाड़ी पर बाघ देखा है। हालांकि, बारिश की वजह से बाघ के फुटप्रिंट नहीं मिले हैं। बाघ के मूवमेंट से वन विभाग बेखबर है। इधर, नगर वन में लगे ट्रैप कैमरों में बाघ कैप्चर नहीं हुआ है। न ही उसका मूवमेंट सामने आ रहा है। बाघ मित्र राशिद नूर ने बताया कि नगर वन, चंदनपुरा, कलियासोत के जंगल समेत कई इलाकों में बाघ का मूवमेंट रहा है। एक बार फिर वाल्मी की पहाड़ी की तरफ चरवाहों ने बाघ का मूवमेंट देखा है। बारिश की वजह से पंजे के निशान नहीं मिल पाए हैं। वाल्मी की पहाड़ी एरिये में बाघ के मूवमेंट के बावजूद लोगों का घूमना नहीं रुका है। सुबह-शाम लोग पैदल घूम रहे हैं। यह बड़ी लापरवाही है। वन विभाग को भी मामले में अलर्ट होना चाहिए। वहीं, लोग यदि फोर व्हीलर में ही घूमेंगे तो सुरक्षा के लिहाज से ठीक रहेगा।

नगर वन में निगरानी कर रहा विभाग

कलियासोत के नगर वन में कुछ दिन पहले बाघ का मूवमेंट देखने को मिला था। इसके बाद वन विभाग ने यहां ट्रैप कैमरे लगाए थे। वहीं, नगर वन में निगरानी बढ़ा दी थी। जिस बाघ का मूवमेंट है, वह बाघिन टी-123 का शावक है। उसकी उम्र डेढ़ साल है।

24 किमी के दायरे में बाघों का मूवमेंट

वन विभाग की माने तो भोपाल के आसपास करीब 25 किमी के दायरे में बाघों का मूवमेंट है। कलियासोत, केरवा के जंगल के साथ ही कोलार-बैरसिया इलाके में भी टाइगर देखे गए हैं। फरवरी-2022 में चूना भट्टी चौराहा स्थित भोज यूनिवर्सिटी कैंपस में टाइगर का मूवमेंट था। कोलार में भी टाइगर देखा गया। प्रदेश में वर्तमान में 526 टाइगर है। भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में कुल 13 टाइगर है।

मुख्यमंत्री चौहान ने बरगद, नीम और कचनार के पौधे लगाए

नगर संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट सिटी उद्यान में बरगद, नीम और कचनार के पौधे लगाए। आइडियल सोसायटी फॉर इंटीरियर डिजाइनर के श्री सुयश कुलश्रेष्ठ, सुश्री हिना अरशद, सुश्री आशी अर्चित, श्री अजय वर्मा और श्री रूपक राव पौध-रोपण में सम्मिलित हुए। सोसाइटी द्वारा पौध-रोपण और स्वच्छता संबंधी गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। सभी सदस्य, अपने और परिजन के जन्म-दिवस पर पौध-रोपण करते हैं और लगाए गए पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी ली जाती है।

पौधों का महत्व

आज लगाए गए बरगद का धार्मिक और औषधीय महत्व है। आयुर्वेद के अनुसार बरगद की पत्तियों, छाल आदि से कई बीमारियों का इलाज संभव है। इसका काढ़ा बनाकर पीने से इम्युनिटी बढ़ती है। एंटीबायोटिक तत्वों से भरपूर नीम को सर्वोच्च औषधि के रूप में जाना जाता है। कचनार सुंदर फूलों वाला वृक्ष है। प्रकृति ने कई पेड़-पौधों को औषधीय गुणों से भरपूर रखा है, इन्हीं में से कचनार एक है। मार्च मध्य के बाद फूलों से लदने वाले इस पेड़ की पत्तियाँ, तना और फूल आदि सभी उपयोगी हैं। कचनार की गणना सुंदर और उपयोगी वृक्षों में होती है।

14 जिलों में 300 महिलाओं को देना था वाहन चलाने का प्रशिक्षण, भोपाल में स्कीम फ्लॉप, एक को भी ट्रेनिंग नहीं

नगर संवाददाता

भोपाल। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के तहत महिलाओं को नि:शुल्क वाहन चलाने का प्रशिक्षण देने परिवहन विभाग ने योजना बनाई थी। योजना के तहत प्रदेश के 14 जिलों में 300 महिलाओं को वाहन चलाने की ट्रेनिंग दी जानी थी। लेकिन राजधानी में ही इस पर अमल नहीं हुआ। अकेले इंदौर को छोड़ दिया जाए तो ज्यादातर जिलों में प्रशिक्षण शुरू ही नहीं हुआ। सीधे कहें तो भोपाल में यह पूरी स्कीम फ्लॉप रही। यहां एक भी महिला को वाहन चलाने की ट्रेनिंग नहीं दी गई। भोपाल आरटीओ से जुड़े अफसर तर्क दे रहे हैं कि पॉलिटेक्निक में महिलाओं संबंधी विंग नहीं होने के चलते प्रशिक्षण नहीं दिया जा सका। वहीं ट्रांसपोर्ट कमिश्नर इसके पीछे वजह कोविड बता रहे हैं। उनका कहना है कि अन्य जिलों में योजना के तहत महिलाओं को नि:शुल्क ट्रेनिंग दी जा रही है। गौरतलब है कि जनवरी-फरवरी 2021 में परिवहन मंत्री ने अधिकारियों की बैठक में इस योजना के संबंध में निर्देश दिए थे।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के तहत परिवहन मंत्री के निर्देश पर मार्च 2021 को बनी थी योजना

जरूरतमंद महिलाओं को दी जानी थी प्राथमिकता

परिवहन आयुक्त ने सभी परिवहन अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर यह निर्देशित किया था कि इस योजना का लाभ उन महिलाओं को पहुंचाएं, जो वास्तव में जरूरतमंद हो। कोविड-19 से प्रभावित परिवार, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के आवेदकों को चयन प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जानी थी।

200 घंटे का होता है यह प्रशिक्षण

लाइट मोटर व्हीकल की यह ट्रेनिंग 200 घंटे की है, जिसमें थ्योरी एवं प्रेक्टिकल पर ध्यान दिया जाता है। यह प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को ड्राईविंग लाइसेंस लेने के लिए पृथक से किसी औपचारिकता की आवश्यकता नहीं होती है। परिवहन विभाग इस पहल से न सिर्फ इन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर देना था, बल्कि सार्वजनिक परिवहन में महिला सुरक्षा को भी बढ़ावा देना था।

इन जिलों में प्रशिक्षण दन का थी प्लानिंग

इन्दौर के अतिरिक्त यह प्रशिक्षण भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, रीवा, सागर, खण्डवा, धार, झाबुआ तथा उमरिया में भी दिया जाना था। संबंधित परिवहन अधिकारियों द्वारा इस संबंध में कार्रवाई करते हुए आवेदन पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रारम्भ की थी।

खास बात यह है कि भोपाल आरटीओ में प्रशिक्षण क्या महिलाओं से आवेदन तक नहीं भरवाए गए।

अन्य जिलों में जारी है प्रशिक्षण

300 महिलाओं को नि:शुल्क वाहन चलाने का प्रशिक्षण इंदौर सहित विभिन्न जिलों में जारी है। कोविड के चलते भोपाल में महिलाओं को यह प्रशिक्षण नहीं मिल सका, हालांकि जल्द भोपाल में भी इसे अमल में लाया जाएगा।

-मुकेश जैन, परिवहन आयुक्त

हाईवे किनारे लाल मिट्टी बन रही लोगों की मुसीबत

भोपाल। भोपाल-इंदौर हाईवे किनारे बिखरी लाल मिट्टी लोगों के लिए बड़ी मुसीबत का सबब बनी हुई है। यहां सीहोर नाके से फंदा टोल नाके तक सड़क के दोनों तरफ बारिश के पहले मिट्टी फैलाई गई थी,

मुख्यमंत्री ने प्रो. राजेन्द्र सिंह की पुण्य-तिथि पर नमन किया

नगर संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) की पुण्य-तिथि पर निवास स्थित सभागार में माल्यार्पण कर नमन किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चतुर्थ सरसंघचालक प्रो. राजेन्द्र सिंह का जन्म 29 जनवरी, 1922 को हुआ था। वे रज्जू भैया नाम से प्रसिद्ध रहे। संघ के तत्कालीन सरसंघचालक श्री गुरुजी से वे बहुत प्रभावित थे। वर्ष 1943 में रज्जू भैया ने काशी से प्रथम वर्ष संघ शिक्षा वर्ग का प्रशिक्षण लिया। गुरूजी से प्रभावित होकर उन्होंने अपना जीवन, संघ कार्य के लिए समर्पित कर दिया। वर्ष 1977 में रज्जू भैया सह सरकार्यवाह, 1978 में सरकार्यवाह और 1994 में सरसंघचालक बने। अन्तिम समय तक सक्रिय रहते हुए 14 जुलाई, 2003 को कौशिक आश्रम पुणे में रज्जू भैया का अवसान हुआ।

मुख्यमंत्री ने कैलाश जोशी की जयंती पर नमन किया

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री कैलाश जोशी की जयंती पर नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास स्थित सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। श्री कैलाश जोशी का जन्म 14 जुलाई 1929 को हाटपीपलिया जिला देवास में हुआ था। वे वर्ष 1977-78 में प्रदेश के मुख्यमंत्री, 8 बार विधायक, 2 बार लोकसभा और एक बार राज्यसभा के सदस्य रहे। श्री जोशी जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। मध्यप्रदेश की राजनीति में वे संत के नाम से प्रसिद्ध थे। उनका निधन 24 नवम्बर 2019 को हुआ।

विजयी सरपंचों जनपद सदस्यों को जीत के मिले प्रमाण पत्र

सागर/मालथौल। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन में निर्वाचित हुए प्रत्याशियों को निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र वितरण किए गये। मालथौन ब्लाक की 54 ग्राम पंचायतों के नव निर्वाचित, पंच और 53 सरपंच तथा 18 वार्ड में हुए जनपद सदस्यो को आधिकारिक रूप से विजयी घोषित हुए उन प्रत्याशियों को जीत का प्रमाण पत्र दिए गए। अब जनपद सदस्यों से जनपद अध्यक्ष चुना जायेगा।

मालथौन की ग्राम पंचायत तिगरा बुजर्ग का परिणाम टाई हो गया था दोनों को बराबर वोट रहे। निर्वाचन आयोग के निर्देशनुसार लॉट के माध्यम से दोनों प्रत्याशियों की मौजूदगी में पर्ची डलेगी उसके बाद सरपंच पद का परिणाम घोषित किया गया जिंसमें ताराबाई को विजय घोषित किया गया उन्हें जीत का प्रमाण पत्र दिया गया। दरसअल मे तिगरा बुजर्ग पंचायत में तीन प्रत्याशियों के बीच

मुकाबला हुआ मतगणना में दो प्रत्याशियों के बराबर बराबर वोट मिले, ताराबाई और चंदाबाई को 341-341 मत प्राप्त हुए। निर्वाचन अधिकारियों और दोनो प्रत्याशियों की मौजूदगी में लॉट के माध्यम से पर्ची डाली गई जिसमें ताराबाई की पर्ची निकली जिन्हें विजयी घोषित कर प्रमाण पत्र जारी किया। वही पथरिया बामन पंचायत में रामगोपाल पटेरिया एक वोट से विजय हुए।

हडुआ ग्राम पंचायत से भाजपा नेता राजकुमार अहिरवार सरपंच चुने गए। जिला

निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर द्वारा जीत का प्रमाण पत्र सौंपा।जनपद सदस्यों के वार्डों में यह विजेता बने वार्ड क्रमांक 1. बड़ी बहू आदिवासी, 2.अजय प्रताप सिंह, 3. बुन्देल सिंह लल्लोई, 4.महादेव पटैल, 5.माखनलाल, 6.शिरोमणी सुरेन्द्र दांगी, 7.चंद्रकली अहिरवार, 8.राजकुमारी राजपूत, 9.कमलेश अहिरवार, 10.रागनी राजेन्द्र सिंह, 11.मालती बाई महादेव लोधी, 12.प्यारे सौंर, 13.रमेश कुमार कुशवाह, 14. सदस्य वार्ड 18 से निर्वाचित हुए श्रीमती गंगाबाई राय को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर द्वारा जीत का प्रमाण पत्र सौंपा।

नवनिर्वाचित सरपंचों को प्रमाण पत्र वितरित

गौरझामर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जीते प्रत्याशियों की घोषणा हो चुकी है, देवरी विकासखंड में जीते प्रत्याशियों को रिटर्निंग ऑफिसर एसडीएम सी.एल.वर्मा और तहसीलदार संजय दुबे सहित संयुक्त टीम द्वारा देवरी के अनुविभागीय भवन में

नवनिर्वाचित सरपंच को प्रमाण पत्र वितरित हुए जिनमे ग्राम पंचायत बहेरिया से प्रीति ब्रजेन्द्र सिंह, जैतपुर कछ्या से सृष्टि संजय तिवारी, बिजौरा से कंचन महेन्द्र सिंह, बरकोटी से शैली अंकुश चौहान, मड़खेरा से सुमन राजासिंह, चरगुआ से उमारानी लाखनसिंह, गौरझामर से बेनीप्रसाद विश्वकर्मा, बेरखेरी से देवेन्द्र सिंह, गंगवारा से रतनसिंह लोधी, सरखेड़ा से लीलावती महेन्द्र, खामखेड़ा से सविता कुददा खंगार, सालावारा से कडेरी गौंड, मढ़ी जमुनिया से कमलाबाई राय सहित सभी सरपंचों को निर्वाचन प्रमाण पत्र वितरण किये

गये रिटर्निंग आफीसर ने बताया कि वितरण केन्द्र से लगभग सभी नवनिर्वाचित सरपंच एवं जनपद सदस्यों को प्रमाण पत्र प्रदाय किये गये हैं जो अनुपस्थित हे उन सभी को अन्य किसी दिन प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिये जाएगे।

जनमंच ने की मांग

मुंबई के मेट्रो कार शेड की तर्ज पर हो अकोला खंडवा ब्रॉड गेज का कार्य

, खंडवा। जनमंच सदस्यों ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को मेल करके अकोला-खंडवा गेज कन्वर्जन अंतर्गत मेलघाट टाइगर रिजर्व क्षेत्र में रेल मार्ग की बाधा का शीघ्र निराकरण करने की मांग की। जनमंच के सदस्य सुनील जैन ने बताया कि जनमंच के सदस्यों द्वारा खंडवा स्टेशन के साथ ही रेलवे की समस्याओं को मूर्त रूप देने का कार्य

चल रहा है। शनिवार को जनमंच के सदस्य चंद्र कुमार सांड, मनोज सोनी, गणेश कानडे, सुनील जैन, अनुराग बंसल, कमल नागपाल आदि ने मेल के माध्यम से मुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे का मेलघाट टाइगर रिजर्व क्षेत्र में वन विभाग की बाधा दूर करने आग्रह किया। ज्ञात रहे अकोला-खंडवा ब्रॉडगेज के निर्माण

में पूर्ववर्ती सरकार ने वन विभाग की अनुमति पर रोक लगा दी थी। अब चूंकि सत्ता परिवर्तन हो गया है। एकनाथ शिंदे और भाजपा सरकार द्वारा जिस तरह मुंबई के मेट्रो कार शेड निर्माण कर त्वरित निर्णय लिया गया

किशोर स्मारक के सामने जलभराव के कारण मायूस होकर लौटे किशोर प्रेमी

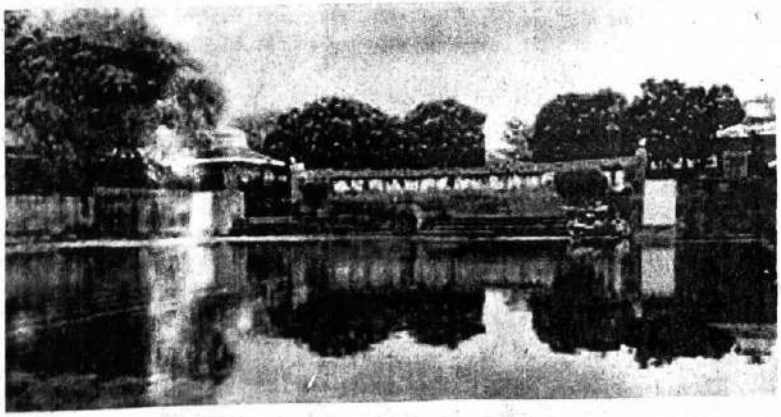

खंडवा। इंदौर रोड पर किशोर स्मारक के सामने जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। गुरुवार को पानी भरने से गुरु पूर्णिमा पर खंडवा आए अन्य शहरों के लोगों को परेशान होना पड़ा। वर्षा के पानी से स्मारक के सामने एक तरह से तालाब बन गया था। इससे स्मारक तक जाने तक का रास्ता बंद हो गया। स्मारक देखने आए किशोर प्रेमी मायूस होकर लौट गए। पानी होने से वे स्मारक तक नहीं पहुंच पाए। कुछ लोगों ने दो पहिया वाहनों से पानी में से जाने का प्रयास भी किया। वे वाहन फिसलने से गिर गए। विदित हो कि यहां पानी निकासी की व्यवस्था नही है। ऐसे में वर्षा होने पर यहां अक्सर जलभराव हो जाता है। स्मारक के मुख्य द्वार तक पानी पहुंच जाता है।

मौसम विभाग ने खंडवा सहित अन्य जिलों में 24 घंटे में भारी वर्षा की चेतावनी दी है। बुधवार दिन में पानी बरसने के बाद दोपहर बाद राहत मिली। इसके बाद रात को लगभग 11 बजे से बिजली चमकने लगी। इसके साथ ही वर्षा शुरू हो गई। जो लगभग तीन बजे तक तेजी से होती रही। रात को शिवाजी चौक, घासपुरा, मोघट रोड, स्टेशन के सामने जलजमाव की स्थिति बनी। शहर से गुजरने वाले नालों में भी पानी बह निकला। तीन पुलिया में रात को नार से पांच फीट तक पानी था। जो सुबह आठ से नौ बजे तक डेढ़ से दो फीट तक आ गया। गुरुवार को सुबह से बादल छाए रहे लेकिन वर्षा नहीं हुई। शाम को भी बादल छाए रहे व बूंदाबांदी दर्ज की गई।

संगठित समाज संस्कारित होकर संस्कृति बना देता हैः मुनि पुंगव सुधासागरजी महाराज

अशोक नगर

संगठित समाज संस्कारित होकर निर्माण में लग जाता है तव संस्कृति विकसित होती है धर्म का काम सस्कारो को प्रकट करना है संस्कारो को संस्काति में में बदलने के लिए आप लोगों ने अपूर्व उत्साह दिखाते हुए वह कार्य किया है जो साढ़े आठ सौ सालों में नहीं हुआ जैन समाज में आठ सौ साल के पाषाण का विशाल कीर्ति स्तंभ बनकर तैयार है आज यहां प्रवेश करते ही पहली दृष्टि नव

निर्मित कीर्ति स्तंभ पर पड़ी तो मन आनद से भर गया उक्त आशय के उद्गार ऐतिहासिक अगवानी के वाद ललितपुर में धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुनि पुंगव श्री सुधा सागरजी महाराज ने व्यक्त किया। इस दौरान अशोक नगर अंचल के भक्तों ने श्री फल भेंट किए

भक्तों ने अपनी भक्ति से इतिहास रच दियाः विजय धुर्रा

इस अवसर भारत वर्षीय दि जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के मुख्य पत्र तीर्थ वंदना के पूर्व सहसम्पादक विजय धुर्रा ने कहा कि आज

ऐतिहासिक अवसर है जव ललितपुर जैसा आध्यात्मिक संत मुनि पुंगव श्री सुधा सागरजी ससंघ की अगवानी करने के लिए विराट जन समुदय सैलाब के रूप में उमड़ा वह अभूतपूर्व है कई किलोमीटर लम्बे इस मार्ग को जिस तरह से भक्तों ने सजाया

सभारा वह परम पूज्य मुनि पुगव श्री सुधा सागरजी महाराज के प्रति आपकी भक्ति और अपार श्रद्धा को ही प्रकट कर रहा था

भगवान महावीर स्वामी के जाने के वाद उन्होंने जो संस्कृति छोड़ी थी उसकी आगवानी आप लोगों ने की है व्यक्ति के चले जाने के वाद भी वह संस्कृति हम सव के सामने क्षेत्र पाल में देखने को मिल रही है

जीवन में कभी ना भूलने वाले पल

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागरजी महाराज नगर गौरव मुनि श्री पूज्य सागरजी महाराज ऐलक श्री धैर्य सागरजी क्षुल्लक श्री गम्भीर सागर जी महाराज ससंघ के भव्य ,ऐतिहासिक अगवानी के वाद मंच पर विराजमान हो गये जहां सभी भक्तों ने श्री फल भेंट किए

संपादकीय

घर के अंदर प्रदूषण से कैसे बचें

बाहर के समान ही घर के भीतर का प्रदूषण भी सेहत को नुकसान पहुंचाता है। सच यही है कि बंद दरवाजों के भीतर की हवा भी कम प्रदूषित नहीं है। खासतौर पर सांस की समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए घर के अंदर के प्रदूषण को काबू में रखना बेहद जरूरी हो गया है।

लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ के अनुसार, भारत में पिछले दो दशकों में इनडोर वायु प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों की संख्या तेजी से बढ़ी है। बाहर की तरह घरों के भीतर की हवा की गुणवत्ता भी दिनोंदिन खराब हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार, घर के अंदर मौजूद प्रदूषक तत्वों के कारण दुनियाभर में हर साल 80 लाख लोगों की सेहत पर असर पड़ता है। इतना ही नहीं, प्रदूषण से हो रही मौतों में आधे से ज्यादा मामलों में इनडोर प्रदूषण की भूमिका देखी गई है। कई मामलों में, घर के भीतर की प्रदूषित हवा सेहत पर ज्यादा बुरा असर डालती नजर आ रही है। इनडोर प्रदूषण कई कारकों पर निर्भर करता है। घर में उचित वेंटिलेशन का इस्तेमाल इसका एक बड़ा कारण है। खासकर गांवों में, जहां लकड़ी के चूल्हे या कोयले का इस्तेमाल होता है, उससे भी सेहत पर बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा, भवन आदि के निर्माण कार्य, पेंट, साफ-सफाई के उत्पाद, गैस स्टोव व मोमबत्ती से निकलने वाला धुआं आदि कई ऐसे कारक हैं, जो धूल, हानिकारक गैसें और टॉक्सिक रसायन उत्पन्न करते हैं। इसके साथ ही, कॉकरोच, फफूंद, दीमक आदि के कारण भी कई तरह के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। हर समय बनी रहने वाली एलर्जी में कॉकरोच एलर्जन की बड़ी भूमिका होती है। घरों की साफ-सफाई के दौरान धूल-धुएं के कण, पालतू पशुओं के बाल, रसोई के धुएं के कारण दमे के मामले ज्यादा सामने आते हैं।

सेहत पर बुरा असर: पारस हॉस्पिटल के पल्मोनोलॉजी और स्लीप मेडिसिन विभाग से जुड़े डॉ. सुरिन्दर कुमार गुप्ता के अनुसार, 'इनडोर वायु प्रदूषण दमा या क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज जैसी फेफड़ों की पुरानी समस्याओं के बढ़ने की आशंका को बढ़ा देता है। इससे दमा व सांस की पुरानी समस्याओं के लक्षण गंभीर हो जाते हैं। इसके अलावा, गले, आंख, नाक और फेफड़ों में जलन की समस्या भी ज्यादा रहने लगती है। लंबे समय तक ऐसे माहौल में रहना फेफड़ों पर बुरा असर डालता है। मसलन, रेडॉन एक्सपोजर के संपर्क में आने से फेफड़ों का कैंसर होने की आशंका ज्यादा होती है। इसके अलावा, अप्रत्यक्ष धूम्रपान भी फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है। अध्ययनों की मानें, तो लगभग 60 फीसदी भारतीयों की सेहत घर के भीतर के प्रदूषण से प्रभावित होती है। इनडोर प्रदूषण की वजह से हर साल 8 लाख भारतीय समय से पूर्व मृत्यु का शिकार हो रहे हैं। लंबे समय तक घर के भीतर प्रदूषित हवा में रहना, हृदय धड़कन के अनियमित होने और दमा जैसी समस्या के खतरे को बढ़ा देता है।

मैग्नेटो क्लीनटेक के सीईओ हिमांशु अग्रवाल के अनुसार, 'घरों के भीतर हम लंबा समय बिताते हैं। हमारी जीवनशैली और उपयोग में लाए जाने वाले सामान घरों के भीतर की हवा को बाहर की तुलना में दस गुना तक ज्यादा खराब बना सकते हैं। खासकर छोटे बच्चों में होने वाली सांस की समस्याओं पर इसका बुरा असर पड़ता है और उनका इम्यून सिस्टम भी कमजोर हो जाता है।'

भवन निर्माण में वास्तु शास्त्र की उपयोगिता

हर मनुष्य की एक महत्वाकांक्षा अवश्य होती है कि उसका स्वयं का घर हो। वह उसे पाने के लिए सतत् प्रयत्नशील रहता है। जब वह इसे पाने के करीब पहुंचता है, तब अपनी सुविधानुसार भवन का मानचित्र बनाना प्रारंभ करता है। वह मानचित्र यदि वास्तुशास्त्रानुरूप हो तो उत्तम फल, सुख, धनसंपत्ति, स्वास्थ्य प्रदान करता है। यदि उसमें अनजाने में कोई दोष आ जाये तो बहुत अधिक कष्टकारी स्थिति निर्मित होती है। यह स्थिति आसानी से नहीं पहचानी जा सकती, कहीं प्रेत आत्माएं उत्पात करती हैं तो कहीं स्वास्थ्य खराब होता है, लाभ की संभावनाएं भी क्षीण होती हो जाती हैं, कोर्ट कचहरी में मामला उलझ जाता है। इन सब घटनाओं को वास्तुशास्त्र के अलावा अन्य किसी शास्त्र से ठीक नहीं किया जा सकता।

वास्तुशास्त्रद्धते, तस्य न स्याल्ल शलनिश्चयः।
तरमाल्लोकस्य कृपया शास्त्रमेतदुदीयते॥

जिस प्रकार हम अपनी सुविधानुसार कमरे, बाथरूम, आगन का निर्माण करते हैं, उसी प्रकार भवन निर्माण के समय भवन में उपस्थित देवताओं का ध्यान रखना भी आवश्यक है। यदि इन देवताओं का स्थान प्रभावित होता है तो वह भवन के रहवासियों को परेशान करने लगते हैं। वास्तु की सम्पूर्ण कलाओं का वर्णन संक्षिप्त शब्दों में संभव नहीं है। इसलिए इस लेख में भवन निर्माण के मुख्य बिन्दुओं को समझाने का प्रयास किया जा रहा है, जिन्हें अपनाकर वास्तु दोष से मुक्त हो सकते हैं। भवन निर्माण में भूमि के बाद सर्वप्रथम महत्व दिशाओं को दिया गया है। दिशाओं से यह निर्धारित होता है कि वास्तुदेवता का कौन सा अंग किस दिशा का प्रतिनिधित्व करता है। भवन निर्माण में 8 दिशाएं महत्वपूर्ण हैं। जो क्रमशः इस प्रकार हैं- 1. उत्तर, 2. उत्तर पूर्व (ईशान), 3. पूर्व, 4. दक्षिण पूर्व (आग्नेय), 5. दक्षिण, 6. दक्षिण पश्चिम (नैऋत्य), 7. पश्चिम, 8. उत्तर पश्चिम (वायव्य)

इन आठों दिशाओं का निम्न देवता प्रतिनिधित्व करते हैं, उत्तर-कुबेर, ईशान-रूद्र, पूर्व-इंद्र, आग्नेय-अग्नि, दक्षिण-यम, नैऋत्य-अनंत, पश्चिम-वरुण, वायव्य-वायु। भवन का मानचित्र बनाते समय दिशाओं एवं उनके देवताओं का स्थान निश्चित करते हुए कक्षों की स्थापना करें। भगवान विश्वकर्मा ने जो ज्ञान पृथ्वीवासियों को दिया उनके अनुसार भूखण्ड को सोलह भागों में विभाजित कर विभिन्न कक्षों के स्थान को निश्चित किया जाना चाहिए। यह स्थान है- 1. पूजा स्थल, 2. कोषागार, 2. स्नान गृह, 4. दधिमंथन स्थान, 5. रसोई, 6. घृतादि स्थल, 7. शयन कक्ष, 8. शौचालय, 9. शस्त्रागार, सूतिका गृह, 10. स्वाध्याय कक्ष, 11. भोजन कक्ष, 12. दण्डकक्ष, 13. पशुशाला, 14. रतिगृह, 15. औषधिगृह, 16. भण्डारित गृह आदि।

वर्तमान समय में दधिमंथन, घृताधिस्थल, शस्त्रागार, सूतिका गृह, रतिकक्ष, दण्ड कक्ष, औषधिगृह को अलग-अलग स्थान देना संभव नहीं है, अतः आवश्यक कक्षों की जानकारी प्रस्तुत की जा रही है।

1. **भवन का मुख्य द्वार-** उत्तर या पूर्व दिशा में रखना व्यक्ति के बहुमुखी विकास में सहायक होता है। इस द्वार पर मांगलिक चिन्ह अंकित होना चाहिए। मांगलिक चिन्हों में ऊँ, कलश, गणेश या अपनी-अपनी धार्मिक मान्यतानुसार रख सकते हैं।

2. **पूजा स्थल-** ईशान कोण इसके लिए सर्वोत्तम होता है। भगवान का मुंह पश्चिम दिशा की ओर रहे ताकि सेवक का मुंह पूर्व दिशा की ओर रहे, इससे पूजा अर्चना में अच्छी सफलता प्राप्त होती है।

3. **रसोई घर-** आग्नेय कोण इसके लिए सुरक्षित स्थान है। इस कोण में बिजली का मीटर बोर्ड, बल्ब, स्विच लगाना शुभ होता है। अग्नि से संबंधित कोई भी यंत्र नहीं लगाना चाहिए।

4. **शयनकक्ष-** दक्षिण दिशा में होना चाहिए। यह दिशा सुरक्षा की दृष्टि से उत्तम मानी गई है। सिरहाना दक्षिण एवं पैर उत्तर में होना चाहिए। इससे स्वास्थ्य अच्छा रहता है एवं आर्थिक लाभ के लिए भी उत्तम है।

5. **शौचालय-** शौचालय के लिए दक्षिण-नैऋत्य या उत्तर-वायव्य के बीच का स्थान अच्छा माना गया है इसका उद्देश्य यह भी है कि शौच के समय मुंह उत्तर या दक्षिण दिशा में रहे। सीढ़ी के नीचे शौचालय बनाना स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है।

6. **अध्ययन कक्ष-** पूजा स्थान के साथ या पश्चिम में भण्डार गृह के साथ बनवाना चाहिए। पढ़ाई के समय मुंह पूर्व या उत्तर की ओर होना चाहिए। इससे चुम्बकीय प्रवाह के कारण याददाश्त अच्छी रहती है।

7. **भण्डार गृह-** नैऋत्य दिशा में सारा वेस्ट मटेरियल एवं अन्य भारी सामान रखना चाहिए। यह कोण जितना भारी होगा उतना लाभदायक होगा।

8. **जल के स्त्रोत-** टंकी, कुआं, ट्यूबवेल के लिए पूर्व, ईशान, उत्तर, वायव्य दिशा उपयुक्त मानी गई है। आग्नेयकोण में पानी के स्त्रोत परिवार के मुखिया के लिए शुभ नहीं होते।

9. **गेस्ट रूम-** वायव्य से पूजा स्थल के बीच का स्थान मेहमानों के लिए शुभ होता है। इस कक्ष में उत्तर-पूर्व दिशा खुली रखना चाहिए।

इसके अतिरिक्त अन्य आवश्यक निर्देश इस प्रकार हैं। भवन में काम आने वाली लकड़ी नई होना चाहिए। सीढ़ियां सीधे हाथ की ओर मुड़ी हुई होना चाहिए, मुख्यद्वार काला पुता होना चाहिए। भवन के चारों ओर खुला स्थान होना चाहिए, पूर्व दिशा हल्की एवं दक्षिण दिशा भारी होना चाहिए। नालियों का बहाव पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। पश्चिमी-पूर्वी, उत्तरी दीवारों पर खिड़कियों का निर्माण शुभ होता है। दरवाजे व खिड़कियां सम संख्या में होना चाहिए। बहुमंजिला इमारत में उत्तर-पूर्व की ऊंचाई दक्षिण-दिशा से प्रारंभ करना चाहिए एवं इस दिशा की दीवारें भी मोटी हों तो अच्छा रहेगा। इस दिशा से अतृप्त एवं अदृश्य आत्माओं के घर में प्रवेश की संभावना रहती है। अतः सर्वप्रथम इसी दिशा को बंद करें, इसमें कोई द्वार न हो तो अच्छा रहता है। इसके विपरीत उत्तर पूर्व दिशा में खाली स्थान अधिक छोड़ने वहां से दैवीय शक्तियों का आगमन होता है, उनका स्वागत करें। इससे दैवीय शक्तियां हमारी मदद करती हैं और घर में खुशहाली का प्रवेश होता है। वास्तु शास्त्रानुरूप भवन निर्माण बतला देगा कि भवन में रहने वाला व्यक्ति कैसा जीवन व्यतीत करेगा। यदि आप सुखी, सम्पन्न एवं शांतिपूर्ण जीवन के अभिलाषी हैं तो वास्त्रुशास्त्र के सिद्धांतों को अपनाकर अपने रहने के लिए भवन निर्मित करें। (विनायक सिंडीकेट)

गर्मियों में फूड पॉइजनिंग से तुरंत राहत दिलाएंगे ये टिप्स

केला

फूड पॉइजनिंग में केला बहुत फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें पोटैशियम ज्यादा होता है, जो पेट के संक्रमण को कम करता है। केला को दही में मैश करके खाएं। इससे दस्त बहुत जल्दी ठीक होता है।

अदरक

एक चम्मच अदरक का रस पीकर आधा ग्लास पानी पी लें। अदरक में एंटीबैक्टीरियल और दर्द निवारक गुण होते हैं। ये संक्रमण को खत्म कर देगा। ध्यान रहे कि अदरक का सेवन ज्यादा ना करें क्योंकि इसकी तासीर गर्म होती है।

पानी

वैसे तो पानी पीना फायदेमंद होता है लेकिन फूड पॉइजनिंग के उपचार में पानी और पी जरूरी हो जाता है। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं। साथ ही सूप, पतली खिचड़ी, नारियल पानी, चावल का पानी, ग्लूकोल, इलेक्ट्रॉल पाउडर का घोल आदि लेना चाहिए।

जीरा

जीरे का प्रयोग करने से फूड पॉइजनिंग ठीक हो जाती है। इसके लिए एक चम्मच भूने जीरे को पीसकर अपने सूप में मिलाकर इस्तेमाल करें।

नींबू का रस

नींबू के रस की एसिडिटी फूड पॉइजनिंग के बैक्टीरिया खत्म करता है इसलिए इसे फूड पॉइजनिंग में लाभकारी मानते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

- पके हुए भोजन का सेवन 4-6 घंटे के अंदर कर लें। इससे ज्यादा समय तक खाने की चीजें रखने से वो खराब हो सकती हैं।

खुलासा! सिर्फ 24 प्रतिशत महिलाएं चाहती हैं दूसरा बच्चा

एक सर्वे में इस बात का खुलासा हुआ है कि भारत में सिर्फ 24 प्रतिशत शादीशुदा महिलाएं दूसरा बच्चा चाहती है। सरकारी डाटा के अनुसार इसमें 10 साल में 68 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। यूनियन हेल्थ मिनिस्ट्री के नेशनल फैमली हेल्थ सर्वे द्वारा इस बात का खुलासा हुआ है। 15 से 49 साल के बीच की शादीशुदा महिलाओं पर सर्वे किया गया जिसमें इस बात का खुलासा हुआ कि सिर्फ24 प्रतिशत महिलाएं दूसरा बच्चा चाहती थी। वहीं पुरुषों में यह संख्या 27 प्रतिशत थी। एक्सपर्ट ने बताया कि इसका कारण अच्छा करियर, उच्च स्तर का जीवन जीना और देरी से मां बनना है। वहीं शहर में रहने वाले पढ़े लिखे जोड़े अपने उम्र के 30ह्य और शुरुआती 40ह्य में डॉक्टर के पास पहले बच्चे की प्लेनिंग करने के लिए आते हैं। दिल्ली की गायनोकॉलोजिस्ट डॉक्टर अर्चना धवन का कहना है कि ज्यादातर जोड़े देरी से बच्चा करना चाहते है क्योंकि वे अपना करियर बनाना चाहते है या वे शादी ही देर से करते हैं। वहीं कुछ जोड़े एक ही बच्चे से खुश है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 54 प्रतिशत महिलाओं के दो बच्चे थे। वहीं 25 से 29 साल के बीच की 16 प्रतिशत महिलाओं के एक भी बच्चे नहीं थे। पापुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की डायरेक्टर पूनम मुटरेजा का कहना है कि रोज बदलती जीवनशैली को देखते हुए लोग में बच्चों को अच्छी पढ़ाई, अच्छे कपड़े, गैजेट्स और सभी तरह की लक्जरी देने के लिए वे दूसरा बच्चा करने के लिए सोचते हैं।

खीरा खाने के 12 जबदस्त फायदे, क्या जानते हैं आप?

गर्मियों में खीरा खाना बहुत जरूरी है क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में पानी होता है जिससे शरीर में पानी की कमी भी नहीं होती। लोग सलाद के रुप में इसका सेवन ज्यादा करते हैं। सिर्फ पानी की कमी ही नहीं बल्कि इससे कई हेल्थ प्रॉब्लम्स से भी बचा जा सकता है। चलिए आपको बताते हैं खीरे के कुछ ऐसे फायदे, जिसके बाद आप भी इसका सेवन शुरू कर देंगे।

खीरे के गुण

1 कप कटे हुए खीरे (119g) में 14 कैलोरी और 0.2 ग्राम फैट होता है। इसके अलावा इसमें 115.11g पानी, 2.4mg सोडियम, 2.6g काबोर्हाइड्रेट, 0.8g डाइटरी फाइबर, 1.6g शुगर, 0.7g प्रोटीन, 2% विटामिन ए, 6% विटामिन सी, 2% कैल्शियम और 1% आयरन होता है।

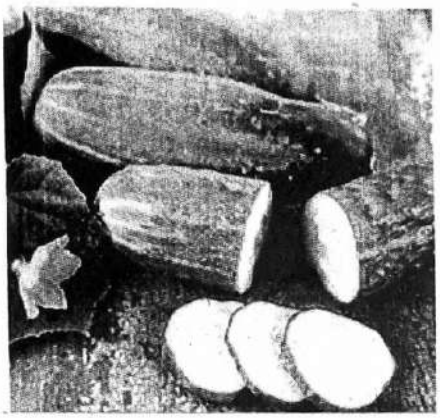

खीरा खाने के फायदे

बॉडी को करें हाइड्रेट

खीरे में 95% पानी होता है, जो शरीर में पानी की कमी को पूरा करने के साथ-साथ शरीर को डिटॉक्स करने में भी मदद करता है।

एनर्जी से भरपूर

विटामिन युक्त खीरा खाने से दिनभर शरीर को एनर्जी मिलती है। खीरा खाने से कोलस्ट्रोल का स्तर कम होता है। इससे हृदय संबंधी रोग भी दूर रहते है।

वजन घटाने में मददगार

वजन घटाने के लिए सबसे जरूरी है कैलोरी इनटेक में कमी, जिसमें खीरा बहुत मददगार है। इसमें कैलोरी ना के बराबर होती है। वजन घटाने के लिए आप खीरे से बनी डिटॉक्स ड्रिंक या सलाद को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल लेवल रखें कंट्रोल

खीरे में कोलेस्ट्रोल बिल्कुल नही होता। साथ ही इसमें पाया जाने वाला स्ट्रेरोल तत्व कोलेस्ट्रोल को कम करने में मदद करता है। जिन लोगों को दिल की बीमारी होती है उनको तो खीरा रोज खाना चाहिए।

तंदरुस्त पाचन तंत्र

इसमें फाइबर अधिक मात्रा में पाया जाता है। खीरा कब्ज से मुक्ति दिलाने के साथ-साथ पेट से जुड़ी हर समस्या से छुटकारा दिलाने में मददगार है।

किडनी स्टोन से राहत

खाने में हर रोज इसका इस्तेमाल करने से पथरी की परेशानी से बचा जा सकता है। यह पित्ते और कीडनी की पथरी से बचाए रखती है। खीरे के रस को दिन में 2-3 बार पीना लाभकारी होता है।

कैंसर से बचाव

रोजाना खीरा खाने से कैंसर का खतरा कम होता है। इसमें मौजूद तत्व सभी तरह के कैंसर की रोकथाम में कारगर हैं।

ब्लड प्रैशर

हाई ब्लड प्रैशर से राहत पाने के लिए खीरे का सेवन बहुत अच्छा होता है। इसमें पानी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है और यह शरीर को ठंडा रखता है।

पीरियड्स का दर्द दूर

जिन लड़कियों को मासिक धर्म के दौरान काफी परेशानी होती है वो दही में खीरे को कद्दूकस करके उसमें पुदीना,काला नमक, काली मिर्च, जीरा और हींग डालकर खाएं। इससे काफी आराम मिलेगा।

मुंह की दुर्गंध

हर रोज दांत साफ करने के बावजूद भी मुंह से दुर्गंध आ रही हो तो मुंह में एक खीरे का टुकड़ा रख लें। इससे सारे जीवाणु मर जाएगें।

सिरदर्द दूर

आज कल हर 10 में से 7 लोग सिर दर्द की परेशानी से जूझ रहे हैं। इस परेशानी से निजात पाने के लिए खीरा सबसे बेहतर उपचार है।

बहुत से लोग ऐसे हैं जो अपने दिन की शुरूआत चाय की पियाली के साथ करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर वह चाय नहीं पीएंगे तो सारा दिन सुस्ती से घिरे रहेंगे और एक कड़क चाय का एक कप उन्हें सारा दिन फ्रैश और एनर्जेटिक रखेगा लेकिन चाय शरीर के लिए बढ़िया नहीं हैं। इसलिए चाय के शौकीनों को अलर्ट होने की जरूरत है। दरअसल, चाय में कैफीन मौजदू होता है और आपको विश्वास नहीं होगा कि एक नए अध्ययन की मानें तो यह कैंसर का कारण भी बन सकती है।

गर्म चाय की प्याली बढ़ा सकती हैं कैंसर का खतरा, 4 मिनट का इंतजार करेगा बचाव

चाय से इसोफेगल कैंसर का खतरा

जी हां, हाल ही में हुए एक शोध के मुताबिक, गर्म चाय पीने से इसोफेगल कैंसर का खतरा अधिक बढ़ जाता है जो कि भारत में छठा और दुनिया में आठवां सबसे ज्यादा होने वाला कैंसर है। अगर आप भी चुल्हे से उतरी गर्मा-गर्म चाय पीने के शौकीन है तो सावधान हो जाएं। 75 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक तापमान पर चाय न पीएं तो बेहतर होगा।

पहले भी दी थी चेतावनी

हालांकि वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाईजेशन ने साल 2016 में ही 65 डिग्री सेल्सियस से ऊपर के पेय से जुड़े कैंसर के खतरे की चेतावनी दी थी। इससे मुंह और गले के अस्तर को नुकसान पहुंचता है जिससे फ्यूल कोलेन ट्यूमर कैंसर हो सकता है।

गर्म चाय है खतरनाक

इंटरनेशन जर्नल ऑफ कैंसर में प्रकाशित शोध की रिपोर्ट के मुताबिक, इस अध्ययन में 40 से 75 साल की उम्र के 50,045 लोगों को शामिल किया गया था। रोजाना 60 डिग्री सेल्सियस या इससे ज्यादा तापमान वाली 700 मिलीलीटर से ज्यादा चाय-कॉफी पीने वालों को इसोफेगल कैंसर का खतरा 90 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। यानी गर्म चाय पीने वालों में इसोफेगल कैंसर का खतरा दोगुने से भी ज्यादा होता है। हालांकि यह खतरा सिर्फ गर्म चाय ही नहीं बल्कि 75 डिग्री सेल्सियल या उससे अधिक तापमान वाले कॉफी, हॉट चॉकलेट जैसे पदार्थों से भी उतना ही है।

सेहतमंद रहना है तो करें बदलाव

अमेरिकन कैंसर सोसायटी के मुताबिक, बीमारी से बचने का उपाय है कि चाय, कॉफी या हॉट चॉकलेट जैसे गर्म पेय पीने से पहले तकरीबन 4 से 5 मिनट का इंतजार किया जाए।

भुने चने खाकर घटाएं वजन, साथ ही में लीजिए बड़े फायदे

टाइम पास करने या पेट भरने के लिए लोग भुने हुए चनों का सेवन करते हैं लेकिन यह सेहत के लिहाज से भी काफी फायदेमंद होते हैं। लो-कैलोरी होने के कारण इन्हें हेल्दी स्नैक भी माना जाता हैं, जो वजन घटाने में काफी मददगार साबित होते हैं। चलिए जानते है चने खाने के फायदे और इनको खाने का सही तरीका।

भुने हुए चने के गुण

भुने चने के एक कप में 15 ग्राम प्रोटीन और 13 ग्राम डाइटरी फाइबर होती है। इसके अलावा इनमें 6 ग्राम फाइबर, 4.2 ग्राम शुगर, 6 मि.ग्रा सोडियम, 240 मि.ग्रा पोटैशियम, 0 मि.ग्रा कोलेस्ट्रॉल, 2.5 ग्राम वसा, 22 ग्राम काबोर्हाइड्रेट होते हैं।

वजन घटाने में मददगार

भुने हुए चने खाने से न सिर्फ पेट भरता है बल्कि वजन भी घटता है। यदि आप हर दिन 1 से 2 पाउंड वजन कम करना चाहते हैं तो आपको दिन में 500-1000 कैलोरी बर्न करनी होगी जिसमें भुने चने आपकी मदद करेंगे। दरअसल, यदि आप हर दिन मुट्ठी भर भुना चना खाते हैं तो इससे रोजाना 46-50 कैलोरी बर्न होती हैं।

भूख लगेगी कम

वजन घटाने के लिए आप चाहे तो चने को खुद भुनकर खा सकते हैं नहीं तो मार्कीट से भी खरीद सकते हैं। रोजाना सुबह या शाम स्नैक टाइम भुना चना खाने से आपको भूख कम लगेगी और वजन तेजी से कम होगा। आप चाहे तो चनों में चिवड़ा भूनकर भी मिला सकते हैं। चिवड़े में भी कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। इनमें आप सलाद जैसे प्याज, टमाटर, गाजर, मूली, नींबू रस आदि मिलाकर मिलाकर हैल्दी स्नैक्स बना सकते हैं।

भुने हुए चने के अन्य फायदे

खून बढ़ाने में मददगार

चने में आयरन की मात्रा काफी होती हैं जो महिलाओं के लिए बेस्ट पोषक तत्व है। दरअसल, अधिकतर महिलाओं को एनीमिया हो जाता है जिससे बचने के लिए डाइट में चना शामिल करें। चना एनिमिया मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद है क्योंकि इसके सेवन से शरीर में खून की कमी नहीं होती है।

दिनभर रखें एक्टिव

दिनभर एक्टिव रहने के लिए भी चना काफी फायदेमंद हैं। आप चने और गुड़ को भी एक साथ ले सकते हैं जिससे ज्यादा फायदा मिलेगा। इसके अलावा इसस आपको भूख भी कम लगेगी।

कब्ज में राहत

जिन लोगों को कब्ज की समस्या रहती हैं, उन्हें रोजाना चने खाने चाहिए क्योंकि कब्ज शरीर में कई बीमारियों का कारण होती है। इससे दिनभर आलस महसूस करते हैं जिसे दूर करने के लइे भुने चने बेस्ट हैं।

पाचन शक्ति बढ़ाएं

चने में डाइयरी फाइबर काफी मात्रा काफी अच्छी है जिनके सेवन से खाना अच्छे से डाइजेस्ट होता हैं। चना पाचन शक्ति को संतुलित और दिमागी शक्ति बढ़ाता है। इसके अलावा चने से खून साफ होता है जिससे त्वचा में निखार आता है।

आलू के स्टार्च से रक्त-स्राव की रोक

सुदर्शन भाटिया - विनायक फीचर्स

आलू के स्टार्च पर रोचेस्टर में श... कार्य किया गया। यहां स्थित मेयो क्लीनिक के एनिस्थीसिया के विशेषज्ञ प्रो. मार्क इरेथ ने यह अध्ययन किया। उन्होंने आलू के स्टार्च के पाऊडर तैयार किया। ... अनेक लोगों पर प्रयोग किया। उन्हें बहते खून को रोकने में सफलता मिली। इससे उनको खुशी का ठिकाना न था। उन्होंने सोचा कि यदि इसे बड़ी मात्रा में तैयार कर युद्ध क्षेत्र के घायल सैनिकों के रक्तस्राव को रोकने के लिए प्रयोग करें तो अधिक उपयोगी रहेगा।

प्रो. मार्क इरेथ ने शोध में पाया कि आलू के स्टार्च से तैयार पाऊडर एक स्पंज की तरह काम करता है। यह पाऊडर रक्त के द्रव को सोखकर उसके ठोस तत्वों को एक जगह इकट्ठा कर देता है। यही इस पाऊडर की विशेषता भी है।

बदलते दौर के साथ-साथ अब लोग अपने शरीर और हेल्थ को लेकर ज्यादा सजग हो गए हैं। इसी को देखते हुए कई कंपनियां लगातार ऐसी तकनीक बने रही हैं जिससे लोग बिना डॉक्टर के पास जाए किसी तरह की बीमारी की जानकारी घर बैठे ले सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में लोग इसी तरह हाई टेक तकनीक के जरिए फोन से सेल्फी खींचकर स्किन कैंसर का पता लगा रहे हैं।

जमीनी विवाद के चलते पडोसी ने गोली मारकर की हत्या

अशोकनगर

रात के समय 41 वर्षीय व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई । घटना की सूचना लगते ही पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगालना शुरू कर दिया था । देर रात पुलिस ने बाइक सवार के एक व्यक्ति के खिलाफ नामजद एवं एक और अन्य लोगों पर मामला दर्ज कर लिया है । पोस्टमार्टम के दौरान वहां मौजूद परिजनों ने बताया कि प्रवेश साहू की हत्या जमीनी विवाद के चलते की गई है, गांव के पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति ने ही गोली मारी है । उन्होंने बताया कि वह पहले कुछ देर तक प्रवेश साहू के घर के बाहर एक चक्की के पास बैठा रहा । जैसे प्रवेश घर से निकला तो उसके घर के बाहर बाइक खड़ी कर के सीने में गोली मार दी ।

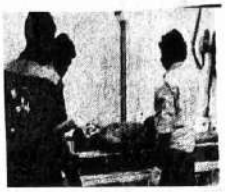

मोहरी रोड निवासी प्रवेश साहू उम्र 41 साल निवासी बामनखेडी हाल निवासी हिरियन के टपरा गुरुवार का शाम के समय अपने घर से मोहरी रोड पर अपने निर्माणाधीन मकान पर गया हुआ था । रात करीब 8-30 बजे वह अपने घर से बाहर निकला, तभी बाइक पर सवार दो लोग आए और आकर प्रवेश साहू के घर के पास बाइक लगाकर सीने में गोली मार दी । गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग एकत्रित हुए लेकिन तब तक बाइक सवार वहां से भाग गए । लहूलुहान हालत में जिला अस्पताल लेकर आए, जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया

लायन्स क्लब खंडवा द्वारा दादाजी कॉलेज में पौधारोपण

फलदार पौधों का रोपण कर लिया संरक्षण का दायित्व

खण्डवा।

लायन्स क्लब खंडवा द्वारा लायन्स क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी वन की गवर्नर लायन डॉ साधना सोडाणी एवं कैबिनेट के दिशा निर्देशानुसार पर्यावरण जागरूकता के क्षेत्र में कार्य किए जा रहे हैं ।जानकारी देते हुए नारायण बाहेती ने बताया कि अध्यक्ष अखिलेश गुप्ता ,सचिव राजीव मालवीय ,कोषाध्यक्ष घनश्याम वाधवा, पर्यावरण चेयरमैन वसीम कुरेशी व को -चेयरमैन प्रतिमा अरोरा के नेतृत्व में इंदौर रोड स्थित श्री दादाजी इंजीनियरिंग कालेज के विशाल प्रांगण में पीपल,नीम, आम ,जाम व 25 फलदार पौधों का रोपण किया गया।लायन्स क्लब खण्डवा द्वारा पूर्व वर्षों में भी परिसर में पौधों रोपण किया गया । वे पौधे कालेज स्टाफ की देखरेख से पूर्ण सुरक्षित रहे। पौधारोपण के पश्चात कालेज के डायरेक्टर व लायन्स के पूर्व अध्यक्ष गुरमीतसिंह उबेजा,स्टाफ के रमाकांत शुक्ला, डॉ सपना अग्रे व लायन सदस्यों ने पौधों के संरक्षण का दायित्व लिया। इस अवसर पर गांधीप्रसाद गदले, नारायण बाहेती, राजीव शर्मा, वसीम कुरैशी,जैन कुरैशी, अखिलेश गुप्ता,राजीव मालवीय ,रमाकांत शुक्ला, डॉ सपना अग्रे एवं लायन साथियों व स्टाफ ने उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान किया।अखिलेश गुप्ता ने पौधरोपण का महत्व बताते हुए सभी का स्वागत किया। गुरमीतसिंह उबेजा ने लायन्स क्लब खण्डवा के पौधरोपण कार्य की सराहना करते हुए पूर्व में लगाये पौधे जिनका संरक्षण किया गया उन्हें बताया। वसीम कुरैशी व सचिव राजीव मालवीय ने सभी सहयोगियों का आभार माना।

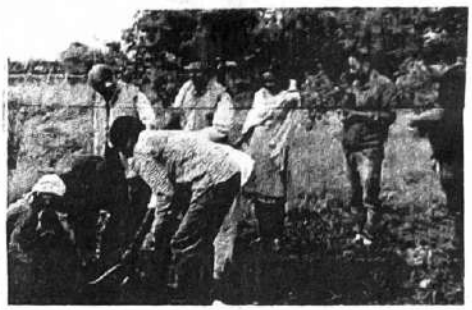

जनपद सीईओ ने पंचायत भवन प्राणपुर में सचिव रोजगार सहायकों की ली बैठक,दिए आवश्यक दिशा निर्देश

, चंदेरी। जनपद पंचायत चंदेरी के अन्तर्गत प्राणपुर सेक्टर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों की पंचायत सीईओ उदय प्रताप सिंह चौहान ने समीक्षा बैठक ली। प्राणपुर सेक्टर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत प्राणपुर , रामनगर , सिंहपुर चालदा , मुरादपुर , अमझरा , खानपुर , बड़ेरा , सिरसौद , टोड़ा , बारी , नानकपुर, नड़ेरी ग्राम पंचायतों के सचिव एवं रोजगार सहायको की बैठक ली । उक्त आयोजित समीक्षा बैठक में लेबर नियोजन , अमृत सरोवर पुष्कर धरोहर कार्य , पुराने पीएम आवास की पूर्णता, नवीन पीएम आवास में मास्टर जारी की समीक्षा, एसबीएम आईडीएफ प्लस , लंबित सीएम हेल्पलाइनो की समीक्षा बैठक ली बैठक में जनपद पंचायत सीईओ उदय प्रताप सिंह चौहान ने

आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए समय सीमा में कार्य करने संबंधी निर्देश दिए उन्होंने कहा की लापरवाही करने वाले कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा उन्होंने सचिव रोजगार सहायकों का नियमानुसार कार्य करने के निर्देश दिए । उक्त आयोजित बैठक में मुख्य रूप से जनपद सीईओ उदय प्रताप सिंह ,एसडीओ अंकिता जैन, इंजीनियर राघवेन्द्र शर्मा , एपीओ मनरेगा राम अवतार शाक्य सहित प्राणपुर सेक्टर के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायतों के सचिव रोजगार सहायक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने बॉक्सिंग में दूसरी बार नेशनल चैम्पियन बनने पर अमन सिंह बिष्ट को दी बधाई

नगर संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने यूथ नेशनल बॉक्सिंग चेम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने और दूसरी बार नेशनल चेम्पियन बनने पर भोपाल के श्री अमन सिंह बिष्ट को बधाई दी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश राज्य बॉक्सिंग अकादमी के श्री आनंद यादव, श्री आदर्श कटारे को रजत पदक और श्री योगेश्वर दत्त, श्री आयुष यादव और कुमारी खुशी सिंह को कांस्य पदक जीतने पर खिलाड़ियों और उनके कोच श्री रोशनलाल को शुभकामना देते हुए ट्वीट किया है कि आपका विजय रथ अविराम जारी रहे। उल्लेखनीय है कि चेन्नई में पाँचवीं यूथ नेशनल बॉक्सिंग चेम्पियनशिप में प्रदेश के मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक अर्जित किए हैं।

बारिश में बह गई टांडाबरुड देवरी सडक

खरगोन।

टांडाबरूड देवरी मार्ग पर बारिश हुई एक तरफ खुशहाली लाई तो दूसरी तरफ मुसीबत बनने लगी है, सरकार के झूठे विकास की पोल खोलने लगी है, ग्राम देवली से सीधा खरगोन जाने वाले मार्ग की सड़क खुदने से बंद हो गया। बुधिया नाले में पानी आने से पुलिया में जो मिट्टी डालकर अस्थाई रास्ता बनाया गया था बह गया। देवली से खरगोन महायज्ञ के साइड में शांतिलाल के मकान में अधूरे रोड निर्माण होने एवं पानी की निकासी बंद होने की वजह से घर में पानी भर गया। अब पानी निकल चुका है लेकिन समस्या वैसी ही बनी हुई है। घर में रखे सामान में पानी भर चुका है। पशुओं को कीचड़ में ही रहना पड़ा। खरगोन से देवली तक सड़क की दरकार थी लेकिन देवली से कोठा बुजुर्ग और कोठा बुजुर्ग से बरुड़ तक बना रोड उखाड़ कर फेंक दिया। स्वीकृति को 2 वर्ष बीत चुके हैं डेडलाइन को भी लगभग 1 वर्ष बीत चुका है परन्तु सड़क अभी तक नहीं बनी है। पुलिया निर्माण अभी तक स्वीकृत नहीं हुआ है, सांसद 2019 में वोट लेकर गए हैं, जबसे अभी तक नहीं आए 2018 में विधानसभा चुनाव का बहिष्कार भी किया था।

अस्पताल के आसपास से अतिक्रमण हटाएं और व्यवस्थित पार्किंग कराएं: कलेक्टर

शाजापुर। डॉ. भीमराव आम्बेडकर शासकीय जिला चिकित्सालय शाजापुर का कलेक्टर दिनेश जैन ने आज आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा। कलेक्टर श्री जैन ने जिला चिकित्सालय में प्रवेश के साथ ही यहां अस्त-व्यस्त तरीके से खड़े वाहनों को देखकर उन्हें व्यवस्थित पार्किंग में खड़े करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने अस्पताल के आसपास हो रहे अतिक्रमण को भी हटाने के निर्देश दिये। इस दौरान सीएमएचओ डॉ. आर. निदारिया, अनुविभागीय अधिकारी शैली कनाश, लोक निर्माण कार्यपालन यंत्री श्री रविन्द्र कुमार वर्मा, सिविल सर्जन डॉ. बीएस मैना, तहसीलदार सुनील जायसवाल, डॉ. आलोक सक्सेना, डॉ. एसडी जायसवाल, टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुमित यादव, डॉ. शुभम गुप्ता, नगरपालिका सीएमओ राकेश चौहान सहित अन्य चिकित्सकगण भी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सीएमओ को चिकित्सालय परिसर की

बाउण्ड्री निर्माण में विलंब होने का कारण पूछा और कार्य जल्दी पूरा करने के निर्देश दिये। साथ ही कलेक्टर ने सीएमओ को निर्देश दिये कि बस स्टेण्ड पर निर्माण के लिए बनाई गई अस्थायी रोक को 10 फिट पीछे करें। इसके उपरांत कलेक्टर ने निर्माणाधीन चिकित्सालय भवन का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने निर्माण करने वाली एजेंसी को टाईमलाइन से कार्य पूरा करने के निर्देश दिये। साथ ही भवन डिस्मेंटल करने वाली एजेंसी को भी कार्य जल्दी पूरा करने के लिए कहा। निरीक्षण के दौरान अस्पताल भवन के अंदर मरीजों के परिजनों के बैठने के लिए व्यवस्था करने के निर्देश दिये। अस्पताल भवन में मेटरनिटी विंग को पार्टिशन कर अलग करने के निर्देश दिये। साथ ही कलेक्टर ने सिविल सर्जन को निर्देश दिये कि मरीजों के परिजनों की अनावश्यक भीड़ अस्पताल परिसर में नहीं आए, इसके लिए पास जारी करने के लिए कहा। साथ ही मरीजों के परिजनों को बताएं कि मरीजों के लिए अस्पताल में निःशुल्क भोजन दिया जाता है, अतः परिजन मरीजों के लिए भोजन लेकर नहीं आए।

विश्वविद्यालय के अकादमिक केलेंडर में परीक्षा और परिणामों की तिथि को उल्लेखित करना होगा

नगर संवाददाता

भोपाल। विश्वविद्यालयों को अकादमिक केलेंडर में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित समस्त पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं और परिणामों की प्रस्तावित तिथि को उल्लेखित करना होगा। यह जानकारी स्पष्ट प्रारूप में विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित करनी होगी। राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा ने राजभवन में कुलसचिवों की मासिक बैठक में शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों को इस संबंध में निर्देशित किया है।

प्रमुख सचिव श्री आहूजा ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लक्षित समूह की आगामी 45 दिवस में अनिवार्य रूप से सिकल सेल एनीमिया रोग की जाँच हो जाए। यह कार्य शासकीय चिकित्सालय के साथ समन्वय से किया जाए। लक्षित समूह के शत-प्रतिशत छात्र-छात्राओं की जाँच शिविर लगाकर सुनिश्चित करें। उन्होंने विश्वविद्यालयों से ग्राम गोद लिए जाने के संबंध में जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिए कि चयनित 5 ग्राम अनिवार्यत: जनजाति बहुल विकासखंड के होने चाहिए। ग्राम चयन में विश्वविद्यालयों के मध्य ओवरलेपिंग नहीं हो। प्रमुख सचिव श्री आहूजा ने न्यायालयीन प्रकरणों, ऑडिट आपत्तियों, निर्माण कार्यों, प्लेसमेंट और विश्वविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की।

बताया गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रारंभ किए पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम सितंबर के द्वितीय पखवाड़े तक घोषित हो जायेंगे। इससे पूर्व अन्य समस्त पाठ्यक्रमों के परिणाम भी जारी कर दिए जायेंगे। दूरस्थ शिक्षा विश्वविद्यालय द्वारा इन परिणामों की घोषणा के बाद परीक्षाएँ आयोजित किए जाने की जानकारी दी गई।

राज्यपाल के उपसचिव श्री डी.के. जैन, विधि अधिकारी श्री डी.पी.एस. गौर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल, महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर, राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन, मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय भोपाल, अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, डॉ. बी.आर. अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय महू और पं. एस.एन. शुक्ला विश्वविद्यालय शहडोल के कुलसचिव मौजूद थे।

खनिज विकास में सक्रिय योगदान के लिए मध्यप्रदेश को दो श्रेणी में मिला प्रथम और द्वितीय पुरस्कार

6 वें नेशनल कॉनक्लेव में खनिज मंत्री श्री सिंह ने ग्रहण किया पुरस्कार

नगर संवाददाता

भोपाल। नई दिल्ली के डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में 6वें नेशनल कॉनक्लेव में म.प्र. को दो श्रेणी में प्रथम और द्वितीय पुरस्कार से नवाजा गया।

पुरस्कार प्रदेश के खनिज साधन एवं श्रम मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने पुरस्कार ग्रहण किये। गृह मंत्री श्री अमित शाह, केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी और खनन एवं रेल राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने पुरस्कार प्रदान किये।

केंद्र सरकार द्वारा पुरस्कार के लिए दो श्रेणियाँ निर्धारित की गई थी, जिसमें से मध्यप्रदेश को उत्खनन, नीलामी, खानों के संचालन में पहल करने और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों की श्रेणी में 3 करोड़ रूपये के प्रथम पुरस्कार के लिए सम्मानित किया गया। वहीं उत्खनन, नीलामी, खदानों के संचालन में पहल करने और इसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों की श्रेणी में 2 करोड़ रूपये के दूसरे पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश को खदानों की सफल नीलामी के लिए 2 करोड़ रूपये प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में मिले।

मध्यप्रदेश के खनिज साधन एवं श्रम मंत्री श्री बृजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा है कि यह मध्यप्रदेश के लिए यह बड़ी उपलब्धि है कि देश में मध्यप्रदेश ऐसा पहला राज्य है, जिसे 7 करोड़ रूपये की राशि प्रोत्साहन के रूप में मिली है।

कवर्ड कैंपस में चोरी करने वाले चार बदमाश सीसीटीवी में कैद

नगर संवाददाता

भोपाल। अवधपुरी इलाके के कवर्ड कैंपस सुरभि लाइफ स्पेसेस में शनिवार रात हुई चोरी के मामले में पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे हैं। बाउंड्री से लगे नाले से कूदने के बाद बदमाश अवधपुरी तिराहे पर पहुंचे, जहां से गोविंदपुरा थाने की ओर भागे हैं। रास्ते में लगे दो सीसीटीवी कैमरे में बदमाश भागते हुए कैद हुए हैं। उनकी संख्या चार बताई जा रही है। पुलिस की तीन टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। पुलिस कैंपस में तैनात रहे पूर्व सिक्योरिटी गार्ड व घरों के नौकरों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। फिलहाल आरोपियों की शिनाख्त नहीं हो सकी है। अवधपुरी थाना प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि शनिवार देर रात करीब एक से दो बजे के बीच सुरभि लाइफ स्पेस में चार बदमाश बाउंड्री वॉल की फेंसिंग काटकर परिसर में अंदर दाखिल हुए थे।

आकाशीय बिजली गिरने से गुलाबाई कहार नामक वृद्ध महिला की ग्राम जैतवाड़ा में मौत

बनखेड़ी। बनखेड़ी थाने के अंतर्गत ग्राम जैतवाड़ा में 14 जुलाई को आकाशीय बिजली गिरने से गुलाबबाई पति मूलचंद कहार नामक 60 वर्षीय वृद्ध की ग्राम जैतवाड़ा में मृत्यु हो गई। फारयादी अनिल पिता दुर्गाप्रसाद दुबे की रिपोर्ट पर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पथरौटा थाने के अंतर्गत ट्रेन एक्सीडेंट से पावर्ती पिता दयाराम पधारे नामक 17 वर्षीय ग्राम नगरपुर की मृत्यु का समाचार मिला है।

स्ट्रीट लाइट खराब पड़ी हैं, प्रत्याशी शिकायत कर रहे हैं, कब सुधारोगे

ग्वालियर। शहर भर में स्ट्रीट लाइटें खराब पड़ी हैं। इन दिनों नगर निगम के चुनावों का प्रचार चल रहा है। जनसंपर्क करने जा रहे पार्षद प्रत्याशियों से लोग शिकायत कर रहे हैं। इससे भाजपा नेता नाराज हैं। स्ट्रीट लाइटें यों सही नहीं हो रहीं इसकी जानकारी लेने के लिए निगमायुक्त किशोर कन्याल ने सोमवार शाम समीक्षा बैठक बुलाई। निगमायुक्तने स्मार्ट सिटी एवं नगर निगम के बिजली अधिकारियों से पूछा कि शहर में लाइटें बंद पड़ी हैं, पार्षद प्रत्याशी शिकायत कर रहे हैं आखिर लाइट कब सही होगी।

अधिकारियों ने ठेकेदार द्वारा कोई सुनवाई न किए जाने की बात कही। इससे नाराज निगमायुक्त ने कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी को बुलाने के निर्देश दिए। स्मार्ट सिटी से संबंधित कार्यों की समीक्षा करने के लिए निगमायुक्त किशोर कन्याल ने शाम 6 बजे बैठक बुलाई। इस बैठक का मुख्य मुद्दा शहर में बंद पड़ी 10 हजार से अधिक स्मार्ट स्ट्रीट लाइटें थीं। निगमायुक्त ने पूछा कि लाइटों का संधारण क्यों नहीं किया जा रहा। जब टेण्डर में 48 घंटे के अंदर लाइट ठीक करने एवं चालू करने का लिखा है फिर 15-15 दिन तक लाइटें क्यों बंद पड़ी हैं। अधिकारियों ने बताया कि कंपनी द्वारा लाइटें ठीक करने के लिए टीमें नहीं बढ़ाई जा रहीं। पहले नगर निगम का अमला संधारण कर रहा था, लेकिन निगम प्रशासक आशीष सक्सेना द्वारा नाराजगी जताई गई थी। उन्होंने कहा था कि जब ठेका कंपनी ने लिया है तो निगम अमला यों इसमें लगाया गया है। जितने समय तक नगर निगम अमले ने लाइटों का संधारण किया है उसका बिल बनाकर कंपनी को भेजा जा रहा है। अब कंपनी द्वारा लाईटों के संधारण में रुचि नहीं ली जा रही। हम कई बार पत्र लिख चुके हैं, लेकिन कोई अधिकारी चर्चा के लिए नहीं आता। इस बात से नाराज निगमायुक्त ने कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी को तत्काल ग्वालियर बुलाने के निर्देश दिए। बैठक से कंपनी के पदाधिकारियों को कॉल किया गया। वहां से बताया गया कि कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी निगमायुक्त से मुलाकात करेंगे। ससेना भी फटकार लगा चुके हैं। 8 जून को निगम प्रशासक ने ठेका लेने वाली ईईएसएल कंपनी के पदाधिकारियों को बुलाकर गंभीर नाराजगी व्यक्त की थी। उन्होंने अधिकारियों से कहा था कि जब ठेका आपने लिया है तो संधारण कार्य नगर निगम यों करेगा। लाइटें बदलने का ठेका स्थानीय स्तर पर दे दिया गया है इसलिए इसमें लापरवाही की जा रही है। निगम प्रशासक ने नगर निगम अमले द्वारा किए गए संधारण कार्य का बिल कंपनी से वसूलने के निर्देश दिए थे। निगम के बिजली अधिकारी बिल तैयार करा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ से आ रहे जंगली हाथियों और ग्रामीणों के बीच संघर्ष रोकने में होगा ड्रोन तकनीक का उपयोग

अंतर्राज्यीय सहयोग और ठोस कार्य-योजना से होगा बेहतर प्रबंधन

भोपाल। छत्तीसगढ़ राज्य से मध्यप्रदेश में आ रहे जंगली हाथियों के उत्पात के कारण सीमा पर बसे ग्रामीणों और हाथियों में संघर्ष की स्थिति से निपटने में अब ड्रोन की सहायता ली जायेगी। ड्रोन के माध्यम से जंगली हाथियों के मूवमेंट को मॉनिटर कर ामीणों को समय से पहले आगाह कि जा सकेगा। वन विभाग हाथियों और ामीणों के बीच संघर्ष की स्थिति से टने के लिये हाथी प्रभावित गाँवों के लिये एक विस्तृत कार्य-योजना बना कर रणनीतिक गतिविधियाँ क्रियान्वित कर रहा है। इन गतिविधियों का सुझाव इस समस्या से निपटने के लिए बनाई गई कोर समिति ने दिया है। प्रभावित क्षेत्रों में गाँव के बाहर प्रायोगिक तौर पर एलीफेंट प्रूफ ट्रेंच या एलीफेंट प्रूफ सोलर फेंसिंग की व्यवस्था की जाएगी। हाथी गलियारे के किनारे स्थित गाँव में मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे हाथियों को उन गाँव की ओर जाने से रोका जा सके। ग्रामीणों को मधुमक्खी के लिए उपयुक्त फसलों को उगाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

रैपिड रिस्पांस टीम: वन क्षेत्रों में 200 से 300 हेक्टेयर क्षेत्र में हाथियों के लिए विशिष्ट रहवास बनाया जाएगा, ताकि हाथी भोजन या जल की तलाश में गाँव की ओर न आ पाएँ। हाथी प्रभावित क्षेत्रों में स्थित कच्चे घरों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में विशेष परियोजनाएँ स्वीकृत करवा कर पक्के मकान की स्वीकृति देने की भी योजना है। संजय टाइगर रिजर्व, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, मुकुंदपुर जू और जबलपुर में स्थापित रेस्क्यू स्क्वाड को रैपिड रिस्पांस टीम के रूप में स्थापित किया जाएगा।

हाथी मित्र दल होगा गठित: हाथी मित्र दल का गठन कर उनके सक्रिय सहयोग लेने के लिये सदस्यों को लाउडस्पीकर, टार्च, पटाखे, यूनिफॉर्म आदि की व्यवस्था की जाएगी। वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय जनता के बीच बेहतर समन्वय एवं विभिन्न स्तर पर जरूरी प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की जा रही है।

अंतर्राज्यीय-सहयोग: कर्नाटक राज्य में हाथियों के प्रबंधन के लिये अपनाये गये उपायों को मध्यप्रदेश की स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल अपनाया जायेगा। कर्नाटक के विशेषज्ञों का भी इसमें सहयोग लिया जायेगा। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के अधिकारियों के साथ समन्वय के लिये समन्वय समिति होगी। विषय विशेषज्ञों, गैर शासकीय संगठन, जन-प्रतिनिधियों और वैज्ञानिकों का सक्रिय सहयोग लिया जा रहा है। ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाकर प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक सावधानियाँ बरतने से अवगत करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत से सौजन्य भेंट की।

प्रदेश का पहला 200 एमव्हीए ट्रांसफार्मर दमोह में ऊर्जीकृत

भोपाल। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने 220 के.व्ही. सब स्टेशन दमोह में 220/132 के.व्ही. के 160 एमव्हीए क्षमता के स्थान पर विशेष डिजाइन से तैयार किया हुआ 200 एमव्हीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया है। ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता प्रोक्योरमेंट जबलपुर इंजी. अजय श्रीवास्तव ने बताया कि मध्यप्रदेश में परंपरागत 120 एमव्हीए या 160 एमव्हीए के पावर ट्रांसफार्मर लगाये जाते थे। इनके स्थान पर 200 एमव्हीए क्षमता का यह पहला पावर ट्रांसफार्मर है।

दमोह के साथ छतरपुर, टीकमगढ़, सागर जिले को भी होगा फायदा: दमोह में इस ट्रांसफार्मर के स्थापित होने से जिले के हट्टा, तेजगढ़, बटियागढ़ तथा पटेरा के 132 के.व्ही सब-स्टेशनों से जुड़े विद्युत उपभोक्ताओं के अलावा सागर, छतरपुर ,टीकमगढ़ जिले के सब-स्टेशनों को भी फायदा होगा। यहाँ किसी इमरजेंसी में 220 के.व्ही. सब-स्टेशन दमोह से सप्लाई दी जा सकेगी 7

16 जून 1967 को शुरू हुआ था दमोह में पहला अति उच्च दाब सब-स्टेशन: दमोह पूर्व में मध्यप्रदेश विद्युत मंडल का प्रमुख लोड सेंटर हुआ करता था। दमोह से सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, बिजावर, बीना आदि क्षेत्रों सहित अनेक सीमेंट फैक्ट्रियों तथा रेलवे को विद्युत आपूर्ति की जाती थी।

दमोह जिले में 16 जून 1967 को पहला अति उच्च दाब सब-स्टेशन 12.5 एमव्हीए क्षमता के साथ प्रारंभ हुआ था। आज दमोह जिले में 220 के.व्ही. के एक तथा 132 के.व्ही. के पाँच सब-स्टेशनों के साथ विद्युत आपूर्ति की जाती है

दमोह में 220 के.व्ही. साइड की 360 एमव्हीए तथा 132 के.व्ही. साइड की 530 एमव्हीए की मजबूत ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता है, जो जिले के उपभोक्ताओं को उचित गुणवत्ता की निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने में सक्षम है।

केंद्र सरकार के दल ने देखा इंदौर का स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट

भोपाल। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के उच्च स्तरीय दल ने इंदौर का दौरा कर शहर के स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट का अवलोकन किया। स्मार्ट मीटर कंट्रोल सेंटर पहुँच कर जानकारी ली और प्रबंध निदेशक से मिलकर योजना संबंधी चर्चा की। केंद्रीय ऊर्जा सहायक सचिव श्री अभिषेक सराफने दल के साथ स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट के अवलोकन के लिए सोमवार को पोलोग्राउंड इंदौर का दौरा किया। उन्होंने मप्रपक्षेविविकं के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर से भी चर्चा की।

इस दौरान दल ने लगभग 4 घंटे स्मार्ट मीटर कंट्रोल सेंटर में रूक कर मीटर स्थापना, फीडर चयन, कम्युनिकेशन, बिलिंग, बिजली चोरी वाले संदिग्ध उपभोक्ताओं की पहचान, ट्रांसफार्मर की रीडिंग से मिलान, स्मार्ट मीटर स्थापना के मूल उद्देश्यों की पूर्ति रिपोर्ट आदि की जानकारी प्राप्त की। केन्द्रीय दल के सदस्यों ने स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट के बारे में प्रश्नोत्तरी से भी जानकारी और जिज्ञासाओं का समाधान किया।

भोपाल पुलिस का कारनामा, चोरी हुए जिन खिलौनों की जब्ती दिखाई, वे आंगनबाड़ी के पीछे बोरी में मिले

भोपाल। सीहोर नाका सब्जी मंडी के पास आदर्श आंगनबाड़ी को मुख्यमंत्री की ओर से प्रदान किए गए खिलौनों के चोरी होने के मामले में नया मोड़ आ गया है। आंगनबाड़ी के पीछे एक प्लास्टिक की बोरी में खिलौने पड़े मिले, जिनका वीडियो सामने आया है। वीडियो बनाने वाला दावा कर रहा है कि यह खिलौने कुछ दिन पहले चोरी हुए वह हैं। यह खिलोने वैसे ही नजर आ रहे हैं। उसने इन खिलौनों की जानकारी पुलिस को भी दी है, लेकिन पुलिस के अधिकारियों ने इस प्रकार के खिलौने मिलने की बात से साफ इंकार किया है। बता दें कि आंगनबाड़ी केंद्र से चार दिन पहले चोर, खिलौनों के साथ बर्तन, दो पंखे और कुर्सियां ले उड़े थे। पुलिस ने साधारण चोरी मानकर प्रकरण दर्ज कर लिया था। बाद में नवदुनिया में खबर प्रकाशित होने के बाद पुलिस को जानकारी लगी कि यह खिलौने मुख्यमंत्री ने बच्चों के लिए भेजे थे। इसके बाद आला अधिकारियों ने आनन-फानन में इस मामले को लेकर बैरागढ़ थाने की एक टीम गठित की थी। बैरागढ़ पुलिस ने शुक्रवार को अचानक चोरी के आरोपित दो नाबालिगों को पकड़ने का दावा करते हुए चोरी का माल बरामद करने की बात कही। लेकिन बरामद सामान के बिल्कुल नया होने के चलते सवाल उठा कि जब खिलौने और बर्तन उपयोग किए जा रहे थे तो वे बिल्कुल नए कैसे हो गए? बाद में आंगनबाड़ी के कार्यकर्ताओं ने चुप्पी साध ली लेकिन इससे पुलिस की काफी किरकिरी हुई।

मुख्यमंत्री श्री चौहान पूर्व विधायक स्व. श्री गुणवान के निवास पहुंचे

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज सीहोर जिले के ग्राम खामखेड़ा पहुँच कर आष्टा के पूर्व विधायक स्व. श्री रणजीत सिंह गुणवान के निधन पर दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान नई दिल्ली से भोपाल पहुँचने के बाद पूर्व विधायक के गृह ग्राम खामखेड़ा जा के लिए रवाना हुए और स्व. श्री गुणवान के निवास पहुँच कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से भेंट कर संवेदना व्यक्त की और परिजन को ढांढस बँधाया। इस दौरान पूर्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्व. श्री गुणवान ने पूरा जीवन लोगों की सेवा में समर्पित किया। वे हमेशा लोगों के सुख-दुख में साथ रहते थे।

नया वीडियो आया सामने: इंटरनेट मीडिया पर एक बार वीडियो सामने आया है। इसमें एक युवक दावा करता नजर आ रहा है कि आंगनबाड़ी के पीछे एक बोरी में खिलौने पड़े हैं। युवक का दावा है कि यह आंगनबाड़ी से चोरी गए खिलौने हैं। हालांकि अब पुलिस इस मामले में कुछ भी कहने से बच रही है। लेकिन इस चोरी में पुलिस पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। इधर, इसकी जानकारी पुलिस को भी लग गई है।

कलियासोत नदी पर बने पुल की एप्रोच सर्विस रोड की रिटेनिंग वॉल टूटने पर इंजीनियर निलंबित

निर्माण एजेंसी तथा कंसलटेंट को ब्लेक-लिस्ट किया

भोपाल। लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने भोपाल-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गौहरगंज के समीप कलियासोत नदी पर बने पुल की एप्रोच रोड बारिश के कारण कटने और सड़क को क्षति पहुँचने पर प्रबंधक (इंजीनियर) श्री एस.पी. दुबे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर तत्कालीन जिला प्रबंधक श्री पवन अरोड़ा और सहायक महाप्रबंधक श्री डी.के. जैन (सेवानिवृत्त) के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। साथ ही पुल की डिजाइन एवं निर्माण करने वाली कम्पनी सीडीएस इण्डिया लिमिटेड तथा प्रोजेक्ट कंसलटेंट थीम इंजीनियर को ब्लेक-लिस्टेड करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण क्षति की पूर्ति संबंधित निर्माण एजेंसी से कराई जायेगी।

प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री नीरज मण्डलोई ने बताया कि घटना की जानकारी प्राप्त होने पर वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञों की टीम मौके पर भेजी गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात निर्बाध रूप से संचालित किया जा रहा है। इसके तहत 8 लेन के स्थान पर 4 लेन से वाहनों की आवाजाही बहाल की गई है। उन्होंने घटना की समीक्षा के दौरान सम्पूर्ण मार्ग पर निर्मित संरचनाओं की जाँच आईआईटी रूड़की से 2 माह में कराये जाने के निर्देश प्रबंध संचालक रोड डेव्हलपमेंट कॉर्पोरेशन को दिये हैं।

प्रबंध संचालक रोड डेव्हलपमेंट कॉर्पोरेशन श्री शशांक मिश्रा ने बताया कि भोपाल-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-12 पर गौहरगंज से भोपाल के मध्य फेरलेन सड़क मार्ग के निर्माण के लिये 48.71 किलोमीटर की लम्बाई का कार्य मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा भारत शासन से प्राप्त स्वीकृति एवं व्यय पर वर्ष 2017 में अनुबंधित किया गया था। इस मार्ग पर 3 बायपास, 4 ग्रेड सेपरेटर, 5 अंडरपास, 3 बड़े पुल, 13 छोटे पुल तथा 32 पुलियाएँ निर्मित की गई थी। यह कार्य नई 2021 में पूर्ण किया गया था। इस कार्य की निर्माण एजेंसी सीडीएस इण्डिया प्रा.लि. नई दिल्ली थी तथा इसके अथॉरिटी इंजीनियर थीम इंजीनियर सर्विसेस जयपुर नियुक्त थे। विभाग द्वारा थीम इंजीनियरिंग कम्पनी द्वारा गत 5 वर्ष में प्रदेश में किये गये सभी निर्माण कार्यों के तकनीकी ऑडिट किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

श्री मिश्रा ने बताया कि विगत कुछ दिनों से भोपाल और आसपास के क्षेत्र में लगातार हो रही वर्षा एवं 24 जुलाई, 2022 की रात कलियासोत बाँध के गेट खोले जाने से पानी के अप्रत्याशित बहाव के फलस्वरूप कलियासोत नदी पर बने वृहद पुल की अप्रोच सर्विस रोड के किनारे बनाई गई लगभग 40 मीटर लम्बी सुरक्षा दीवार खिसकने से गिर गई, जिससे एक तरफकी सर्विस लेन का कटाव हो गया। वर्तमान में पुल को कोई क्षति नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पानी के तेज बहाव के कारण सुरक्षा की दृष्टि से लगभग 25 हजार बोरो रेत भर कर कटाव की पिचिंग का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सम्पूर्ण कार्य की मरम्मत और पुनर्निर्माण किये जाने में लगभग 4 माह का समय लगेगा। यह सम्पूर्ण कार्य ठेकेदार कम्पनी मेसर्स सीडीएस इण्डिया लिमिटेड और पाइल फाउण्डेशन द्वारा शत-प्रतिशत अपने व्यय पर किया जायेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक आलोक सिंघई ने सम्यक प्रिंटर्स से छापा और ऊपरी भूतल-7 अलकनंदा काम्प्लेक्स जोन-1, एमपी नगर भोपाल से प्रकाशित किया।
संपादक - आलोक सिंघई फो.2555007, मोबा.9425376322 न्याय क्षेत्र भोपाल. aloksinghai67@gmail.com सलाहकार संपादक: विपिन शर्मा, स्थानीय संपादक: संजय जैन।